

अधिकारों की मांग के साथ गूंजा रोटी का सवाल

रोज़ी-रोटी अधिकार अभियान का 8वां राष्ट्रीय सम्मेलन

जयपुर। हम भारत के नगरिक हैं, हमें हमारे अधिकारों के साथ समानांतरक जीवन का योगा देना सरकार का फौज है। ये कहना था कावां-ए-मोबाइल के संस्थापक सामाजिक कार्यकर्ता हर्ष मंदर का। को रविवार को रोज़ी रोटी अधिकार अभियान के द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के द्वारा दिन आयोजित खाद्य संप्रभुता और पोषण

■ सोमवार को जयपुर धोषणपत्र पारित कर होगा समाप्त



सुरक्षा में उभरते मुद्रे विषय पर आयोजित प्रथम सत्र में बोल रहे थे। हर्ष ने मांव लिंचिंग के विषय मामलों व सरकार की बुलडोजर कार्रवाईयों की चाची करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में हमारे पूर्वजों ने कलनाम की शी उसे आज तहस हस्त किया जा रहा है। इसी सत्र में सामाजिक कार्यकर्ता बिराज प्रथमानक ने बलूडे देके मुद्रों, किसानों की आजादी की पर्यायों को दिए जाने वे एआई के प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एआई का असर केवल कम्यूनिटी पर काम करने वाले लोगों पर ही नहीं, किसानों पर पड़ेगा।

किसान अंदोलन से जुड़ी ही सामाजिक कार्यकर्ता वरपरण सिंह ने कहा कि आज भारत में छाटे किसानों के पास औसतन केवल 1.09 हैं। जेटर जेट हैं जिसमें समिलाओं के पास महज 14, 15 लिंचिंगों के पास 11 वर्षों-1 वर्ष के दौरान नरसे, आदिवासियों की वर्षा 8 जात है। मजदूरों की दूलगतार नीचे जा रही है। सामाजिक कार्यकर्ता छोटे किसानों से जमीनों पर वापस ले रही है। इस सत्र में जलवायु परिवर्तन कार्यकर्ता अंतुल सती ने उत्तराखण्ड में जलवायु परिवर्तन करना होता है कि वह एस्टेट की चाची करते हुए देशभर में बिछाए जा रहे कंकटेट के जंगल के बहुत संख्या वाले जंगलों को मकाम की कार्यकर्ता लक्षी गरियाएं से कहोंगे के हकों की बात तो। ट्रांसजेंडर सामाजिक कार्यकर्ता संघों से समाजान का असली मतलब काम को बताते हुए कहा कि हम लोगों को मन से मत लो, मन में लो। अधिवासियों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता धर्मचंद ने

लगातार उड़ाइ जा रहे जंगलों और भोजन का अधिकार इज्जत से जीने के तरफीक के कारण अधिवासियों की अधिकार से जुड़ा है। केरल के खाद्य व राशन प्राप्त करने में आने वाली नागरिक अपूर्ण मंत्री जी आर अनिल समस्थायों की बात उठाई। सम्मेलन में ने भोजन के अधिकार को मूलभूत अधिकार बताते हुए इसकी विस्तृतियों को देख करने की बात की। सभी भोजन के अधिकार के मुद्रों पर चर्चा की गई। दिलत मुद्रों पर भवक मेवरी, गुजरे दिनकर, सरीसी कुमड़ी और असाक भारती, बोरोजांडी से जारी करने से एकमात्र राजनीतिक विस्तृतियों ने एकमात्र जंजाम दिया जाता था। फिलहाल आयोजियों से पूछताछ की जारी रखने का अवलोकन किया गया।

विजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) अधिनियम पर आयोजित समानांतर सत्र में भोजन के अधिकार पर इस अधिनियम के विविधार्थों पर चर्चा की गई। डीपीडीपी अधिनियम की घारा 44(3) ने आरटीआई अधिनियम के प्रतिविधियों और बैरों के मुद्रों पर शक्ती, अशोक खेडेलवाल, रजनी, कोमल, अनवर, देवर, फिर व वासु ने विचार रखे। संसाधों तक पहुंच, विषयान, आजीविका व अरटीएफ पर विवितगत जानकारी सहित वारीक जानकारी तक पहुंच भोजन के अधिकार सहित अनेक कानून दिया अब गरीब को हर वारित करना होता है कि वह भारीय है।

मजदूर और गरीब के जीवन में बहुत संख्या वाले, रोज रोज विदेशी होने का अधिकार लक्षी गरियाएं से महिलाओं के हकों की बात तो। ट्रांसजेंडर सामाजिक कार्यकर्ता संघों से समाजान का असली मतलब काम को बताते हुए कहा कि हम लोगों को मन से मत लो, मन में लो। अधिवासियों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता धर्मचंद ने विदेशी एंड रिहिविलेशन एक्ट, शिक्षा का अधिकार व सूचना का अधिकार सहित अनेक कानून दिया अब गरीब को हर वारित करना होता है कि वह भारीय है।

मजदूर और गरीब के जीवन में बहुत संख्या वाले, रोज रोज विदेशी होने का अधिकार लक्षी गरियाएं से महिलाओं के हकों की बात तो। ट्रांसजेंडर सामाजिक कार्यकर्ता संघों से समाजान का असली मतलब काम को बताते हुए कहा कि हम लोगों को मन से मत लो, मन में लो। अधिवासियों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता धर्मचंद ने विदेशी एंड रिहिविलेशन एक्ट, शिक्षा का अधिकार व सूचना का अधिकार सहित अनेक कानून दिया अब गरीब को हर वारित करना होता है कि वह भारीय है।

मजदूर और गरीब के जीवन में बहुत संख्या वाले, रोज रोज विदेशी होने का अधिकार लक्षी गरियाएं से महिलाओं के हकों की बात तो। ट्रांसजेंडर सामाजिक कार्यकर्ता संघों से समाजान का असली मतलब काम को बताते हुए कहा कि हम लोगों को मन से मत लो, मन में लो। अधिवासियों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता धर्मचंद ने विदेशी एंड रिहिविलेशन एक्ट, शिक्षा का अधिकार व सूचना का अधिकार सहित अनेक कानून दिया अब गरीब को हर वारित करना होता है कि वह भारीय है।

मजदूर और गरीब के जीवन में बहुत संख्या वाले, रोज रोज विदेशी होने का अधिकार लक्षी गरियाएं से महिलाओं के हकों की बात तो। ट्रांसजेंडर सामाजिक कार्यकर्ता संघों से समाजान का असली मतलब काम को बताते हुए कहा कि हम लोगों को मन से मत लो, मन में लो। अधिवासियों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता धर्मचंद ने विदेशी एंड रिहिविलेशन एक्ट, शिक्षा का अधिकार व सूचना का अधिकार सहित अनेक कानून दिया अब गरीब को हर वारित करना होता है कि वह भारीय है।

मजदूर और गरीब के जीवन में बहुत संख्या वाले, रोज रोज विदेशी होने का अधिकार लक्षी गरियाएं से महिलाओं के हकों की बात तो। ट्रांसजेंडर सामाजिक कार्यकर्ता संघों से समाजान का असली मतलब काम को बताते हुए कहा कि हम लोगों को मन से मत लो, मन में लो। अधिवासियों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता धर्मचंद ने विदेशी एंड रिहिविलेशन एक्ट, शिक्षा का अधिकार व सूचना का अधिकार सहित अनेक कानून दिया अब गरीब को हर वारित करना होता है कि वह भारीय है।

मजदूर और गरीब के जीवन में बहुत संख्या वाले, रोज रोज विदेशी होने का अधिकार लक्षी गरियाएं से महिलाओं के हकों की बात तो। ट्रांसजेंडर सामाजिक कार्यकर्ता संघों से समाजान का असली मतलब काम को बताते हुए कहा कि हम लोगों को मन से मत लो, मन में लो। अधिवासियों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता धर्मचंद ने विदेशी एंड रिहिविलेशन एक्ट, शिक्षा का अधिकार व सूचना का अधिकार सहित अनेक कानून दिया अब गरीब को हर वारित करना होता है कि वह भारीय है।

मजदूर और गरीब के जीवन में बहुत संख्या वाले, रोज रोज विदेशी होने का अधिकार लक्षी गरियाएं से महिलाओं के हकों की बात तो। ट्रांसजेंडर सामाजिक कार्यकर्ता संघों से समाजान का असली मतलब काम को बताते हुए कहा कि हम लोगों को मन से मत लो, मन में लो। अधिवासियों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता धर्मचंद ने विदेशी एंड रिहिविलेशन एक्ट, शिक्षा का अधिकार व सूचना का अधिकार सहित अनेक कानून दिया अब गरीब को हर वारित करना होता है कि वह भारीय है।

मजदूर और गरीब के जीवन में बहुत संख्या वाले, रोज रोज विदेशी होने का अधिकार लक्षी गरियाएं से महिलाओं के हकों की बात तो। ट्रांसजेंडर सामाजिक कार्यकर्ता संघों से समाजान का असली मतलब काम को बताते हुए कहा कि हम लोगों को मन से मत लो, मन में लो। अधिवासियों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता धर्मचंद ने विदेशी एंड रिहिविलेशन एक्ट, शिक्षा का अधिकार व सूचना का अधिकार सहित अनेक कानून दिया अब गरीब को हर वारित करना होता है कि वह भारीय है।

मजदूर और गरीब के जीवन में बहुत संख्या वाले, रोज रोज विदेशी होने का अधिकार लक्षी गरियाएं से महिलाओं के हकों की बात तो। ट्रांसजेंडर सामाजिक कार्यकर्ता संघों से समाजान का असली मतलब काम को बताते हुए कहा कि हम लोगों को मन से मत लो, मन में लो। अधिवासियों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता धर्मचंद ने विदेशी एंड रिहिविलेशन एक्ट, शिक्षा का अधिकार व सूचना का अधिकार सहित अनेक कानून दिया अब गरीब को हर वारित करना होता है कि वह भारीय है।

मजदूर और गरीब के जीवन में बहुत संख्या वाले, रोज रोज विदेशी होने का अधिकार लक्षी गरियाएं से महिलाओं के हकों की बात तो। ट्रांसजेंडर सामाजिक कार्यकर्ता संघों से समाजान का असली मतलब काम को बताते हुए कहा कि हम लोगों को मन से मत लो, मन में लो। अधिवासियों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता धर्मचंद ने विदेशी एंड रिहिविलेशन एक्ट, शिक्षा का अधिकार व सूचना का अधिकार सहित अनेक कानून दिया अब गरीब को हर वारित करना होता है कि वह भारीय है।

मजदूर और गरीब के जीवन में बहुत संख्या वाले, रोज रोज विदेशी होने का अधिकार लक्षी गरियाएं से महिलाओं के हकों की बात तो। ट्रांसजेंडर सामाजिक कार्यकर्ता संघों से समाजान का असली मतलब काम को बताते हुए कहा कि हम लोगों को मन से मत लो, मन में लो। अधिवासियों के लिए काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता धर्मचंद ने विदेशी एंड रिहिविलेशन एक्ट, शिक्षा का अधिकार व सूचना का अधिकार सहित अनेक कानून दिया अब गरीब को हर वारित करना होता है कि वह भारीय है।